श्री एस0एस0 शर्मा, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, की अध्यक्षता में आयोजित उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद, उत्तराखण्ड की बैठक दिनांक 16–05–2014 का कार्यवृत्त

दिनांक 16–05–2014 को मंथन सभागार, कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून में उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति (आर0ए0सी0) की बैठक श्री एस0एस0 शर्मा, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों, उनके प्रतिनिधियों एवं विशेष आमंत्रियों की सूची संलग्न है।

मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी/सदस्य सचिव, आर0ए0सी0 द्वारा उपस्थित समस्त प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बैठक में अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि समिति की विगत बैठक दिनांक 20–04–2013 को हुई थी एवं विगत निर्णयों के आधार पर यथोचित प्रगति प्राप्त की गयी है तथा आशा व्यक्त की गयी कि वानिकी अनुसंधान कार्यो को दिशा एवं गति प्रदान करने हेतु सदस्यों के बहुमूल्य सुझावों का भविष्य में भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय द्वारा वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी की वर्ष 2012–13 की वार्षिक प्रतिवेदन पुस्तिका का विमोचन किया गया एवं महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। डा0 राजेन्द्र सिंह, वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा आर0ए0सी0 की बैठक दिनांक 27–07–2010, 27–08–2011, 04–08–2012 एवं 20–04–2013 में अनुमोदित परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र0सं0	परियोजना	प्रगति विवरण
1	Demonstration plots and trials of need based initiatives (CAMPA)	**वर्ष 2010–11 –** लालकुऑ में दशमूल प्रदर्शन क्षेत्र (1.00 हे0), सड़ियाताल में जिंगो बाइलोबा का प्रदर्शन क्षेत्र (1.70 हे0), देववन में अष्टवर्ग प्रदर्शन क्षेत्र (0.50 हे0) एवं हल्द्वानी में औषधीय पौधों का प्रदर्शन क्षेत्र (0.50 हे0) स्थापित किया गया है। सभी प्रदर्शन क्षेत्रों में प्रजातियों की सफलता प्रतिशत अच्छी पायी गयी है। **वर्ष 2011–12 –** टांडा में अकेशिया मेन्जियम, गम्हार, पाडल व चम्पा का एवं देववन में केदारपाती का फील्ड ट्रायल स्थापित किया गया है। सेमला का प्रदर्शन क्षेत्र लोहाघाट में स्थापित किया गया है। अकेशिया मेन्जियम की जीवितता लगभग शून्य है। अतः स्पष्ट है कि अकेशिया मेन्जियम इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त नहीं है। माईकेलिया चम्पा की वृद्धि दर संतोषजनक पायी गयी है जबकि केदारपाती में अच्छी सफलता प्राप्त हुयी है। 0.647 ग्राम प्रति वृक्ष सेमलागम प्राप्त किया गया है। **वर्ष 2012–13 –** लालकुऑ में फाईकेटम की स्थापना की गयी है। वर्तमान में 56 फाइकस प्रजातियॉ 3.00 हे0 क्षेत्र में रोपित की गयी है जिनकी वृद्धि दर संतोषजनक है। मुनस्यारी में चूक तथा सड़ियाताल में पटवा के प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना की गयी। चूक एवं पटवा की वृद्धि दर एवं सफलता प्रतिशत अच्छी पायी गयी है। **वर्ष 2013–14 –** एनर्जी/फ्यूल के रूप में उपयोग में लाये जानी वाली स्थानीय झाड़ी प्रजातियों का उत्पादकता परीक्षण करने हेतु मध्य हिमालयी क्षेत्र (गाजा) में, हिमालयी क्षेत्र (देववन) में एवं तराई क्षेत्र (लालकुऑ) में एनर्जी प्लानटेशन की स्थापना की

		गयी है। जिनसे आकड़े एकत्रित करना प्रारम्भ कर दिया गया है। काकडीघाट एवं लालकुआँ में सैलिक्स प्रजाति के उच्च उत्पादकता क्लोन का उपयुक्तता परीक्षण प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत हिमांचल प्रदेश से प्राप्त सेलिक्स की 6 प्रजातियों का रोपण किया गया। रोपित पौधों की सफलता शत प्रतिशत है। सहभागीय अनुसंधान के लिए सेलिक्स को किसानों के खेत की मेडों पर भी लगाने का निर्णय लिया गया है।
2	Establishment/maintenance of seed plots/orchards (CAMPA)	**वर्ष 2010–11 –** लालकुआँ में हरड़, सादन, कचनार, खरपट, हल्दू एवं चम्पा का एस0एस0पी0ए0 (3.00 हे0) स्थापित किया गया। यही पर सर्पगंधा एवं सतावर का बीज क्षेत्र (0.50 हे0) एवं सड़ियाताल में तिमरु का बीज क्षेत्र (1.00 हे0) स्थापित किया गया है। पौधों की वृद्धि एवं सफलता प्रतिशत संतोषजनक है। सर्पगन्धा, अश्वगन्धा, सतावर एवं नेपाली सतावर से कमशः 2 किग्रा, 0.5 किग्रा, 5 किग्रा एवं 35 किग्रा बीज प्राप्त किया गया जिसे इन्टर कॉपिंग के तौर पर पॉपलर प्रयोग क्षेत्र वर्ष 2011 धीमरी–18 बी में बोया गया है। **वर्ष 2011–12 –** लोहाघाट में रुईस का बीज क्षेत्र स्थापित किया गया है। रोपण संतोषजनक है। **वर्ष 2012–13 –** लालकुआँ में 0.80 हे0 क्षेत्र में जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 14 प्रजातियों का रोपण किया गया है। पुनः इसे 3.00 हे0 क्षेत्र में विस्तारित किया गया एवं लगभग 50 प्रजातियों को रोपित किया गया है। प्रजातियों का वृद्धि दर एवं सफलता प्रतिशत संतोषजनक है। **वर्ष 2013–14 –** गिनरोई तथा इमरोई के बीजू बीज उत्पादन तथा बमौर के बीजू बीज उत्पादन क्षेत्र की स्थापना की गयी है। रख–रखाव किया जा रहा है।
3	Development of nursery techniques for propagation of indigenous species (CAMPA)	**वर्ष 2010–11 –** वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल द्वारा रुईस, तिमरु, भेकल, घिंघारु एवं केदारपाती की नर्सरी तकनीक एवं वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी द्वारा हल्दू, बाकली, सांदन, चम्पा, चन्दन, बीजासाल, ढाक, सलई गुग्गल एवं पाडल की नर्सरी तकनीक में आशातीत सफलता प्राप्त की गयी है। विकसित नर्सरी तकनीक के संबंधित जानकारी के प्रचार–प्रसार हेतु Brouchure का प्रकाशन किया गया है। **वर्ष 2011–12 –** पटवा एवं थनेला के नर्सरी तकनीक में उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुये हैं तथा झींगन की नर्सरी तकनीक के सम्बंध में प्रारम्भिक प्रयासों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पाई गयी। झींगन की लम्बी कटिंग रोपित कर पौध तैयार करने की विधि का जिक्र श्री कांजी लाल ने किया है। अतः कटिंग द्वारा झींगन की पौध तैयार करने का प्रयोग किया जा रहा है। **वर्ष 2012–13 –** हल्द्वानी पौधशाला में मेदा एवं श्यामपुर पौधशाला में पचनाला के नर्सरी तकनीक विकसित करने में प्रारम्भिक परिणाम उत्साहजनक प्राप्त हुये हैं। द्वारसों पौधशाला में भमोर, मुनस्यारी पौधशाला में भोजपत्र, सड़ियाताल पौधशाला में गेठी, कालसी पौधशाला में एकदानिया के नर्सरी तकनीक का कार्य चल रहा है, जिसके परिणाम संतोषजनक प्राप्त हुये हैं। **वर्ष 2013–14 –** हल्द्वानी पौधशाला में खरपट तथा लालकुआँ नर्सरी में फल्दू के नर्सरी तकनीक

		लोहाघाट पौधालय में कऊ, द्वारसों पौधालय में तानसेन, देववन पौधालय में रिखदालमी के नर्सरी तकनीक विकसित करने में प्रारम्भिक परिणाम उत्साहजनक प्राप्त हुये हैं।
4	Collaborative Research (CAMPA)	**वर्ष 2010–11 –** अस्कोट में पाये जाने वाले काला बन्दर की पहचान एवं देवदार के रासायनिक विश्लेषण का कार्य किया जा चुका है। साल, सागौन, यूकेलिप्टस एवं पॉपलर की स्थानीय आयतन सारणी विभिन्न कारणों से तैयार नही की जा सकी है। इस वर्ष यह कार्य प्रार्थमिकता पर किया जाना प्रस्तावित है। सामाजिक–आर्थिक सर्वे कार्य भी सम्पन्न नही हो सका है। **वर्ष 2011–12 –** मिलिया कम्पोजिटा का उपयुक्तता अध्ययन हेतु टांडा व लालकुऑ में एवं बिच्छू घास के उत्पादकता अध्ययन हेतु गोपेश्वर एवं नैनीताल में प्रयोग स्थापित किये गये हैं। 300 वर्ग मी0 क्षेत्र में 1 मी0 X 1 मी0 स्पेसिंग पर रोपित 300 बिच्छू घास के पौधों से 230 ग्राम रेशा प्राप्त हुआ (7.67 किग्रा0/हे0) है जो पौधों के हरे वजन के सापेक्ष 14.38 प्रतिशत है। वन विज्ञान केन्द्र, हल्द्वानी के विस्तारीकरण का कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका है तथा वन संरक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि इसे नये प्रोजेक्ट के रुप में पुनः प्रस्तावित किया जा रहा है। **वर्ष 2013–14 –** यूकेलिप्टस हाईब्रिड का उपयुक्तता ट्रायल एवं पौधशाला जनित रोग एवं प्रबन्धन विवरणिका प्रकाशित नही हो सकी।
5	Modern Seed Storage facility and strengthening of existing nurseries (CAMPA)	**वर्ष 2013–14 –** बीज भण्डार गृह का निमार्ण विभिन्न कारणों से सम्भव नही हो सका है जो इस वर्ष पूर्ण कर लिया जायेगा। नर्सरियों के सुद्वढ़ीकरण के अन्तर्गत लालकुऑ नर्सरी में सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य कराया गया। शेष सुरक्षा दीवार (300 मी0) का निर्माण कार्य गतिमान है जिसे उत्तराखण्ड वन विकास निगम द्वारा वित्त– पोषित किया जा रहा है। इसी कम में मिस्ट चैम्बर के मरम्मत एवं शेड हाउस का निर्माण कार्य भी सम्पन्न कराया गया है। इस वर्ष भी लालकुऑ एवं हल्द्वानी नर्सरी में मिस्ट चैम्बर की मरम्मत का कार्य प्रस्तावित है। वन वर्धनिक, साल क्षेत्र एवं वन वर्धनिक पर्वतीय के अधीन विभिन्न पौधशालाओं में 50000–50000 जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण पौधे उगाये गयें है। हल्द्वानी पौधशाला में मिस्ट चैम्बर निर्माण का कार्य धनराशि की कमी के कारण नहीं किया जा सका।
6	Strengthening of Research cell (CAMPA)	**वर्ष 2011–12 –** समिति द्वारा यह संज्ञान लिया गया कि अनुसंधान शाखा के अधिकारियों/कर्मचारियों को यथा अनुमोदित प्रशिक्षण व भ्रमण नहीं कराया गया है तथा सुझाव दिया गया कि इस वर्ष इस संदर्भ में समय से कार्ययोजना तैयार कर ली जाय। **वर्ष 2012–13 –** (1) Practical approach for raising healthy nursery & plantations विषय पर वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 5 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाया गया। (2) KFRI (Keral), IWST, IPIRTI, FRLHT(Bangluru) का एक्सपोजर विजिट 3 अधिकारियों द्वारा किया गया। (3) JNTBGRI पालोड, त्रिवेन्द्रम का एक्सपोजर विजिट 3 अधिकारियों द्वारा किया गया।

		वर्ष 2013–14 – लालकुआँ एवं कोसी कटारमल नामक स्थान पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें वन विभाग के अधिकारी, विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, विभिन्न एन0जी0ओ0 के विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त वनाधिकारी एवं कृषिवानिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट जन एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था।
7	Publication of APR, Research bulletins, etc (CAMPA)	**वर्ष 2009–10, 2010–11 एवं 2011–12** इस अवधि में प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदनों एवं अनुसंधान पत्रकों के सम्बन्ध में समिति को अवगत कराया गया। वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट वर्ष 2012–13 का प्रकाशन/ विमोचन किया गया एवं वर्ष 2013–14 का प्रकाशन प्रकिया में है। इसके अतिरिक्त नर्सरी तकनीक पत्रक प्रकाशित किये गये हैं। अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दो दल केरल एवं कर्नाटक राज्य में अध्ययन भ्रमण हेतु भेजा गया। IFTBRC कोयम्बटूर में आयोजित सेमीनार में रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया गया।
8	Strengthening of existing botanical/herbal garden (CAMPA)	**वर्ष 2011–12 एवं वर्ष 2012–13 –** हल्द्वानी में बैम्बूसेटम एवं लता परगोला तथा मुनस्यारी में फल प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना की गयी है। इसका अनुरक्षण व सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मुनस्यारी में हर्बल उद्यान का सुद्धढीकरण किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य औषधीय पौधों के संरक्षण, कृषिकरण, पर्यावरणीय पर्यटन, स्थानीय समुदाय की आजीविका अभिवृद्धि को प्रोत्साहित करना आदि है। यह अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं प्रचार–प्रसार का केन्द्र भी है।
9	Research & Technology Scheme (R.T.)	**वर्ष 2010–11** राज्य वृक्ष बुरांस की नर्सरी तकनीक विकसित किये जाने पर परिषद द्वारा विशेष प्रसन्नता व्यक्त की गयी। लालकुआँ में यूकेलिप्टस एवं पॉपलर के नये क्लोनों का विकास कार्य संतोषप्रद पाया गया। मुनस्यारी में दमस्क गुलाब एवं पुष्कर मूल के प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना एवं प्रगति के सम्बंध में अवगत कराया गया। **वर्ष 2011–12** आई0टी0सी0, भद्राचलम के 9 यूकेलिप्टस क्लोनों के नर्सरी ट्रायल के साथ–साथ पॉपलर व यूकेलिप्टस के नये क्लोनों के विकास/फील्ड ट्रायल के सम्बंध में परिषद को अवगत कराया गया। पेंचदार व सामान्य चीड़ पर मृदा कारकों के अध्ययन, लटुआ बॉज के संरक्षण क्षेत्र की स्थापना के साथ–साथ बॉस एवं रुद्राक्ष के हेज गार्डन की स्थापना की प्रगति से परिषद को अवगत कराया गया। **वर्ष 2012–13 –** पॉपलर के नये क्लोन विकसित करने की कार्यवाही से समिति को अवगत कराया गया। विभिन्न क्लाइमेटिक जोनों में स्थापित वृक्षारोपणों में मोस्ट प्रामिसिंग प्रजातियों के मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है, समिति को अवगत कराया गया। **वर्ष 2013–14 –** यूकेलिप्टस के नये क्लोन के विकास हेतु काफी कार्य किया गया है तथा अनुसंधान कार्य जारी है। इसी प्रकार पॉपलर के नये क्लोनों के विकास हेतु कार्य किया जा रहा है तथा 29 श्रेष्ठ फिनोटाइप का चयन कर लालकुआँ नर्सरी में बहुगुणन (Multiplication) करने का कार्य गतिमान है। बम्बू बहुगणन (Multiplication) का कार्य अनुसंधान रेंज, हल्द्वानी नर्सरी में गतिमान है। वन संरक्षक द्वारा बताया गया कि टाण्डा रेंज के धीमरी प्लाट सं0 57अ में

		यूकेलिप्टस सी0टी0ए0 वर्ष 2005 में स्थापित किया गया था जिसमें अन्तिम मापन माह नवम्बर, 2013 में किया गया। इस प्रायोगिक क्षेत्र में कुछ क्लोनों में बहुत अच्छी बढ़त पायी गयी है। बाउन्ड्री पर स्थित यूकेलिप्टस वृक्षों (AP–10) के मापन से 30–35 घन मी0 प्रति हे0 प्रति वर्ष का उत्पादन आकड़ा प्राप्त हो रहा है। अन्तिम रूप से आकड़े विशलेषण का कार्य किया जा रहा है।. इस क्षेत्र में पातन प्रस्तावित है तथा पातन से पूर्व 100 यूकेलिप्टस धनात्मक वृक्षों को चिन्हीत कर दिया गया है जिनका पातन नही किया जायेगा जिससे भविष्य में उच्च कोटि का बीज प्राप्त किया जा सके। वन संरक्षक, महोदय द्वारा यह भी बताया गया कि इस वृक्षारोपण क्षेत्र के चारों ओर 200– 250 मी0 दूरी तक कोई अन्य यूकेलिप्टस वृक्ष स्थित नही है जिससे बीज की गुणवत्ता पर दुष्प्रभाव पड़ने की सम्भावना नही है।

अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये है जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

1– श्री एस0एस0 शर्मा, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड देहरादून महोदय द्वारा अनुसंधान गतिविधियों को साइट स्पेसिफिक एक्सटेंशन देने व विशेषकर गढ़वाल मण्डल में वन अनुसंधान संबंधी कार्य विस्तारित करने हेतु आवश्यक योजना बनाने एवं निम्न बिन्दुओं पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

- अनुसंधान शाखा के अधिकारियों/कर्मचारियों को विशेष वेतन दिये जाने हेतु प्रस्ताव बनाकर मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण विकास एवं अनुसंधान द्वारा शीघ्र प्रस्तुत किया जाय।
- बमौर प्रजाति पर और अधिक अनुसंधान करने की आवश्यकता है। कुछ मृदा बाइन्डर प्रजातियों पर अनुसंधान किया जाय कि उन्हें कहॉ और किस प्रकार से उपयोग में लाया जाय।
- बांस, रिंगाल एवं शीशम पर अनुसंधान जारी रखने की आवश्यकता है।
- वन्य जीव प्रबन्धन के सन्दर्भ में वन अनुसंधान के कार्य क्षेत्र का विस्तार, कैसे किया जा सकता है, पर विचार किया जाय।

2– श्री एस0टी0एस0 लेप्चा, अपर प्रमुख वन संरक्षक, (वित्त एवं नियोजन) द्वारा सुझाव दिया गया कि अनुसंधान संबंधी कार्यों की 10 वर्षीय योजना (Prospective plan) बनायी जाय तथा 5 वर्ष क अन्तराल पर योजना की समीक्षा का प्राविधान रखा जाय। इससे कार्य करने की एक निश्चित दिशा सुनिश्चित हो सकेगी। सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा सुझाव का समर्थन किया गया।

3– डा0 बी0एस0 बरफाल, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड (सेवा निवृत्त) द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन पुस्तिका वर्ष 2012–13 के प्रकाशन पर विभाग को बधाई देते हुए सुझाव दिया गया कि जिंगो बाईलोबा उत्तराखण्ड में कहॉ– कहॉ पर पाया जाता है के संबंध में मैपिंग करने की भी आवश्यकता है जिससे जिंगो बाईलोबा का संवर्धन एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

- अकेसिया मेन्जियम के प्रयोग के असफल होने के सन्दर्भ में उनके द्वारा बताया गया कि अकेसिया मेन्जियम और अकेसिया ऑरिकुलीफार्मिस का हाईब्रिड केरल के कुछ पेपर इन्डस्ट्री तथा के0एफ0आर0आई0 द्वारा तैयार किया गया है। के0एफ0आर0आई0 से सम्पर्क कर इस दिशा में अग्रेतर कार्य किया जा सकता है।
- सेलिक्स का ट्रायल/ रोपण ट्रान्स–हिमालयन क्षेत्र में करना बहुत आवश्यक है क्योकि ट्रान्स–हिमालय क्षेत्र के लोग इस प्रजाति का दोहन चारा व जलौनी लकड़ी के रूप में भी करते हैं।

- बीज उत्पादन क्षेत्रों से बीज उत्पादन क्षमता का कोई विशिष्ट आकड़ा वर्तमान में उपलब्ध नही है। अनुसंधान शाखा को इस दिशा में कार्य करना चाहिए।
- बीज उत्पादन क्षेत्रों के सम्बन्ध में एस0पी0ए0, एस0एस0पी0ए0 तथा सी0एस0ओ0 प्रचलित वैज्ञानिक शब्द हैं परन्तु सीड स्टैड, सीड गाटा, सीड प्लाट आदि शब्दों का प्रयोग ए0आर0आर0 में किया गया है इन शब्दों के वैज्ञानिक अर्थ व मानक की जानकारी प्राप्त करने के बाद ही इनका उपयोग होना उचित रहेगा।
- रिंगाल प्रजाति पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग द्वारा भी वर्ष 2012 में रिसर्च पेपर प्रकाशित किया गया है, इस प्रकाशन से भी जानकारी प्राप्त कर रिंगाल संबंधी प्रस्तावित शोध कार्य को आगे बढाया जाय।
- मिस्ट चैम्बर के डिजाइन का निर्धारण एक कमेटी द्वारा किया जाना चाहिए जिसमें विशेषज्ञ भी सम्मिलित हों। केरल विश्वद्यालय द्वारा मिस्ट चैम्बर पर अच्छा साहित्य प्रकाशित किया गया है जिससे मिस्ट चैम्बर के डिजाइन में मदद मिलेगी।
- नर्सरी मैनुअल बनाना अनुसंधान शाखा के लिए अतिआवश्यक है। इस पर शीघ्र कार्य शुरू किया जाना चाहिए।

4– डा0 सी0पी0 उनियाल, वैज्ञानिक, एच0आर0डी0आई0, गोपेश्वर द्वारा सुझाव दिया गया कि मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। इस बदलाव का प्रभाव नर्सरी एवं वृक्षारोपण में किस रूप पर पड़ता है इसका अध्ययन किया जाना चाहिए।

- वन पंचायत एवं कृषिवानिकी क्षेत्र से आकड़े प्राप्त कर अनुसंधान कार्यो में उपयोग में लाया जाना चाहिए तथा स्थानीय लोगों के परम्परागत ज्ञान एवं विधि का भी उपयोग किया जाना चाहिए।

5– डा0 जे0एस0 मेहता, (सेवानिवृत्त) वनाधिकारी द्वारा सुझाव दिया गया कि सेलिक्स प्रजाति कैलाश– मानसरोवर मार्ग पर बहुत अच्छी स्थिति में हैं। दारमा घाटी, हर की दून, तथा ट्रान्स–हिमालयन क्षेत्र में इस प्रजाति पर प्रयोग किया जाना चाहिए। बायोमास प्रोडक्सन में अभिवृद्धि हेतु पोलार्डिग विधि पर अनुसंधान की आवश्यकता है। अनुसंधान शाखा द्वारा ज्ञात/विकसित विधियों को क्षेत्रीय वन प्रभागों द्वारा उपयोग में अवश्य लाया जाय।

6– डा0 सलिल तिवारी, विभागाध्यक्ष कृषि–वानिकी शाखा, गोबिन्दबल्लभ पन्त कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा सुझाव दिया गया कि वन अनुसंधान केन्द्र लालकुआँ को सेन्टर ऑफ एक्सलेंस के रूप में विकसित करने का प्रयास सराहनीय है तथा सुझाव दिया कि यदि अनुसंधान शाखा द्वारा किये जा रहे कार्यो के अनुरूप स्टाफ की कमी है तो ऐसी स्थिति में कुछ स्थानों पर डाटा रिकार्ड करने, विश्लेषण कार्य आदि पन्तनगर विश्वविद्यालय के छात्रों का उपयोग किया जा सकता है।

7– डा0 डी0पी0 उनियाल, सीनियर साइंटिस्ट, यूकास्ट द्वारा सुझाव दिया गया कि उत्तराखण्ड वन अनुसंधान शाखा द्वारा प्रकाशित साहित्य का वर्तमान में कापी–राइट नही कराया जाता है जबकि कापी–राइट कराया जाना आवश्यक है। प्रचार–प्रसार पर ज्यादा जोर देने की आवश्यकता बतायी गयी।

वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी एवं वन वर्धनिक, पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल द्वारा कैम्पा तथा आर0टी0 योजना के अन्तर्गत नये प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये तथा समिति द्वारा विस्तृत एवं सम्यक विचारोपरान्त निम्न प्रकार निर्णय लिये गये :–

Campa Scheme

क्र0सं0	परियोजना का नाम	समिति का निर्णय/सुझाव
Collaborative Research (1a) for preparation of volume table, climate change studies, hydrological investigation, Development of urban forestry models, stake holders survey on forestry issues, forest certification, inventorization of vegetation.etc.		
1	Conservation and propagation of *Carallia integerrima* (Ranipur Range)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Study of effect of flyash on nursery seedling and plantation.	डा0 विमल कुमार, सलाहकार, फ्लाई–ऐश रिसर्च सेन्टर, दिल्ली ने फ्लाई ऐश के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि फ्लाई–ऐश मिट्टी के गुणवत्ता में सुधार करती है तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों को बढाती है। इसके उपयोग से उत्पादकता बढ़ती है तथा दीमक का प्रकोप नही होता है। अतः नर्सरी में पॉलीबैग में तथा वृक्षारोपण में गड्ढों में फ्लाई–ऐश के आंशिक मात्रा का उपयोग कर अनुसंधान करने की आवश्यकता है। समिति के सदस्यों द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि फ्लाई–ऐश प्रदुषण को बढ़ाता है तथा फ्लाई–ऐश में मौजूद आर्सेनिक तत्व के उत्तराखण्ड में पाये जाने वाले खुले जल स्रोतों में घुलने से जल प्रदूषित होने की सम्भावना बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड में फ्लाई–ऐश उपलब्ध नही होने के कारण बाहर से मंगाने पर ढुलान व्यय अत्यधिक होगा। समिति द्वारा प्रस्ताव अस्वीकार किया गया।
3	To study the impact of different harvesting methods of Ringal on the development and sustainable use of Ringal clumps at Munsiyari, Barkot & Nainital.	समिति द्वारा प्रस्ताव को स्वागत योग्य बताते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Study and control of Loranthus spp in Oak forests of Naina & Kosi range of Nainital Div.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Demonstration plots and trials of need based initiatives (1b)		
1	Growth & Yield trial and quality assessment of *Santalum album* at Lalkuan.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Demonstration Plot of State tree plus one representative tree species of Indian states at Haldwani.	समिति द्वारा प्रस्ताव अस्वीकार किया गया।
3	To create green belt of 200 m of economically useful shrubs and grasses to control soil erosion and to improve local livelihood on Nainital Khurpatal Road.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Demonstration plot of *Olea cuspidata* and *Myrsine africana* near Chakrata.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Establishment/maintenance of seed plots/orchards (1c)		
1	Esbalishment of seed orchard of Pula (*Kydia calycina*), Borang (*Hymenidyction excelsum*), Semal (*Bombax ceiba*), Lisora (*Cordia myxa*), Safed sirus (*Albizzia procera*) and Jhingan (*Lannea coromandelica*) in Chakpheri Block, Rudrapur Range, Tarai Central Div.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

2	Establishment of CSO of disease resistant *Dalbergia sissoo* in Bhakra range, Tarai Central Forest Div.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Rejuvination and Maintenance of existing 20 seed plots/seed production areas.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Establishing SPA of *Boehmeria rugulosa* at Khurpatal 3.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Development of nursery techniques for propagation of indigenous species including germination trials and vegetative methods (1d)		
1	Standardization of nursery technique of *Kydia calycina* (Pula) at Shyampur nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Standardization of nursery technique of *Lagerstroemia parviflora (Dhauri)* at Haldwani nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Standardization of nursery technique of *Schrebera sweitenoides* (Van Palash) at Lalkuan nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Standardization of nursery technique of *Indopeptadenia oudhensis* at Gaja nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Standardization of nursery technique of *Cythea spinulosa* at Dwarson & Mandal nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Standardization of nursery technique of *Rhus parviflora* at Sadiatal nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
7	Standardization of nursery technique of *Juniperus spp* at Munsiyari nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Modern Seed Storage facility and strengthening of existing nurseries (1e)		
1	Construction of an additional seed store room.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Construction of protection wall at Lalkuan nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Repairing of mist chamber of Haldwani nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Repairing of mist chamber of Lalkuan nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Raising of 30000 QPM	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Raising of 50000 QPM	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
7	Construction of shade house in Deoban nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
8	Construction of plateform at Lalkuan	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
9	Distribution of seedlings to forest divisions free of cost.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

Strengthening of existing botanical / herbal garden (1f)		
1	Rhododendron Garden at Munsiyari.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	*Ex-situ* conservation of *Trachycarpus takil* in Munsiyari Herbal Garden.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Strengthening of Research cell by hiring technical Personal and up gradation of Laboratory(1g)		
1	Trainings & Exposure visits.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Workshops, RAC Meeting etc	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Hiring the services of Technical personnels for project works.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Publication of APR, Research bulletins, etc (1h)		
1	Publication of Annual Research Report, Research bulletins, leaflets etc.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Research & Technology Scheme (Forestry Research)		
1	Establishment of Populatum (1 ha).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Development of new clones of poplar.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Field trial of selected high yielding Eucalyptus clones (2 ha).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Preperation of local volume table for poplar in Terai region of Uttarakhand.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Data analysis of 17 sample plots of different species.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Development of new Eucalyptus clones from seedlings of seed origin (0:5 ha)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Finance Commission (Central Budget) Projects 2014-15 Forestry Research Activities in Compliance of Working Plan Code - 2014		
1	Biodiversity Assessment	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Socio-economic survey	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	NTFP Estimation (including MAPs)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Study of carbon sequestration	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Creation of Working Plan support cell & hiring the services of consultants for carring out above activities	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	ANR of Sal forests in Haridwar Div. (Comptt Chandi-7)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

अन्त में अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक समाप्त की गयी।

अनुमोदित

(श्री एस0एस0 शर्मा)
प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून
अध्यक्ष, उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद

(एस0के0 सिंह)
मुख्य वन संरक्षक
जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, हल्द्वानी
सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, हल्द्वानी।

दूरभाष: 05946–234047, फैक्स: 05946–235136 ई–मेल: cebresearch@rediffmail.com

पत्रांक– 423 / 6–3 दिनांक, हल्द्वानी 15–06–2014

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:–

1– प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2– प्रमुख वन संरक्षक, ग्राम वन पंचायत एवं संयुक्त वन प्रबन्ध, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
3– प्रमुख वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
4– प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
5– अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
6– अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7– अपर प्रमुख वन संरक्षक, कार्ययोजना, हल्द्वानी।
8– सुश्री ज्योत्सना सितलिंग, मुख्य वन संरक्षक / मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड कैम्पा देहरादून।
9– डॉ0 बी0एस0 बरफाल, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून।
10– निदेशक, निदेशक, पं0जी0बी0पंत इन्स्टीटयूट ऑफ हिमालय इन्वायरमैन्ट एण्ड डेवलपमेन्ट, अल्मोडा।
11– निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून।
12– निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
13– निदेशक, वि0प0कृ0अ0 संस्थान, कोसी, अल्मोडा।
14– निदेशक, जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर, चमोली।
15– निदेशक, यूकास्ट, उत्तराखण्ड, देहरादून।
16– कुलपति, पं0गो0ब0पं0 कृषि वि0वि0 पंतनगर।
17– डॉ0 जे0एस0 मेहता, से0नि0 वनाधिकारी, अल्मोडा।
18– डॉ0 वीना पेन्यूली, से0नि0 विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान, एम0के0पी0 कालेज, देहरादून।
19– डॉ0 रामेश्वर दयाल, रसायन विशेषज्ञ (से0नि0) एफ0आर0आई0, देहरादून।
20– श्री जे0के0 बिष्ट, वि0प0कृ0अ0 संस्थान, कोसी, अल्मोडा।
21– डॉ0 एच0एस0 गिनवाल, प्रभाग प्रमुख अनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रर्वधन प्रभाग, एफ0आर0आई0, देहरादून।
22– डॉ0 सुभाष नौटियाल, प्रभाग प्रमुख वनस्पति विज्ञान प्रभाग, एफ0आर0आई0, देहरादून।
23– श्री नृपेन्द्र चौहान, प्रभारी वैज्ञानिक, कैप, सेलाकुई, देहरादून।
24– वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी।
25– वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, मुनकीरेती, टेहरी गढ़वाल।
26– वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून।
27– वन संरक्षक, वन पंचायत, उत्तराखण्ड हल्द्वानी।
28– वन वर्धनिक, साल, हल्द्वानी।
29– वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल।

(एस0के0 सिंह)
मुख्य वन संरक्षक,
जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान,
हल्द्वानी / सदस्य सचिव, वानिकी अनुसंधान
सलाहकार परिषद, उत्तराखण्ड

उपस्थित सदस्यों की सूची

क्र0 सं0	अधिकारी का नाम	पदनाम	मोबाईल नम्बर	ई–मेल पता
1	श्री एस0एस0 शर्मा	प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड		pccf_uta@yahoo.com
2	श्री आर0के0 महाजन	एम0डी0बी0ए0एफ0डी0सी0 उत्तराखण्ड		
3	श्री एस0टी0एस0 लैप्चा	अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, देहरादून	9412071394	stslepcha@gmail.com
4	श्री ए0आर0 सिंन्हा	अपर प्रमुख वन संरक्षक, कार्ययोजना, हल्द्वानी	9412086310	amulyasinha@yahoo.co.uk
5	डॉ0 बी0एस0 बरफाल	अध्यक्ष, जैव विविधता बोर्ड उत्तराखण्ड/सदस्य	9412053605	bs_burfal@rediffmail.com
6	श्री एस0के0 सिंह	मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण विकास एवं अनुसंधान/ सदस्य सचिव	9412076135	sksingh2015@yahoo.com
7	डा0 राजेन्द्र सिंह	वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी।		
8	श्री एस0एम0 जोशी	वन संरक्षक, भागरथी वृत्त, मुनकीरेती	9412030587	sm_joshi@hotmail.com
9	श्री एस0बी0 शर्मा	वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त	9411113748	cfshiwalik@yahoo.co.in
10	श्री सोबरन लाल	वन संरक्षक, वन पंचायत	9412030909	pccf@gmail.com
11	श्री अशोक कुमार महर	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी	9557244556	meharvardhanik@rediffmail.com
12	श्री कुबेर सिंह बिष्ट	वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल	9758104889	bishtkuber38@gmail.com
13	डा0 डी0पी0 उनीयाल	वरिष्ठ वैज्ञानिक, यूकास्ट, देहरादून	9837862069	dpuniyalucost@gmail.com
14	डा0 मन्जू सुन्दरियाल	वैज्ञानिक, USERC देहरादून।	9411105146	Manjusundriyal@yahoo.co.in
15	डा0 सलील तिवारी	विभागाध्यक्ष, कृषिवानिकी शाखा, पन्तनगर विश्वविद्यालय, पन्तनगर	7500241465	saliltewari@pbpant.ac.in
16	डा0 जी0बी0 मेहता	सेवानिवृत्त, वनाधिकारी।	9412092511	jsmethtakailashi@gmail.com
17	डा0 सी0पी0कुन्याल	वैज्ञानिक बी, एच.आर0डी0आई, गोपेश्वर	9412364743	cpkuniyal@rediffmail.com
18	डा0 विमल कुमार	वैज्ञानिक, फ्लाईएश, रिसर्च सेन्टर, दिल्ली	9818443443	dr.vimal.kumar@gmail.com
19	श्री नृपेन्द्र चौहान	एस0आई0सी0, सी0ए0पी0 सेलादून, देहरादून।	9837006749	n_chauhan2004@rediffmail.com